“जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की संभावना और महत्व” विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, जम्मू (शेर-ए-कश्मीर शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, जम्मू) के सहयोग से **“जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की संभावना और महत्व”** (Scope and Importance of Medicinal and Aromatic Plants for Enhancing Farmers’ Income of Jammu Region) विषय पर दिनांक 19.01.2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, आर.एस. पुरा, जम्मू में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में **डॉ. विकास टंडन,** वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, कृषि विज्ञान केंद्र, जम्मू ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा प्रशिक्षण में आये प्रतिभागियों का अभिनंदन तथा स्वागत किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जम्मू क्षेत्र के विभिन्न जिलों (जम्मू, राजौरी, कठुआ तथा रियासी) के लगभग 65 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, जम्मू के निदेशक (अनुसंधान) डॉ. जे.पी. शर्मा** ने अपने संबोधन में कहा कि औषधीय एवं सुगन्धित पौधों के महत्त्व एवं मांग को देखते हुए वर्तमान समय में इनका वनों से अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे इन पौधों की बहुत सी प्रजातियां विलुप्तता के कगार पर है। अतः आज के समय में औषधीय पौधों की जंगलों में घटती मात्रा के कारण इनका कृषिकरण करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने से हमारी जड़ी-बूटियां न केवल वनों में सरंक्षित रहेगी अपितु उद्योगों को औषधी निर्माण हेतु इनकी उपलब्धतता भी सुनिश्चित होगी तथा इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। औषधीय पौधों के महत्त्व पर अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा क्षेत्र है जिसकी मांग भविष्य में भी बढ़ती ही रहेगी। जम्मू क्षेत्र में इन पौधों के कृषिकरण की अपार संभावनाएं हैं और हमारे किसान अपने कृषि के साथ-साथ इनकी खेती कर अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला को इस महत्वपूर्ण विषय पर किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए बधाई दी तथा आग्रह किया कि राज्य के अन्य जिलो में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करता रहे। उन्होंने अपनी ओर से आश्वासन देते हुए कहा कि उनका विश्वविद्यालय,

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान को इस तरह के प्रशिक्षण आयोजन करने के लिए हर प्रकार का सहयोग प्रदान करता रहेगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य-अतिथि ने कृषि विज्ञान केंद्र, जम्मू द्वारा प्रकाशित "Value Addition of Amla – The Indian Gooseberry" पर एक पैम्फ़लेट का विमोचन भी किया तथा इसकी प्रतियाँ किसानों को वितरित किया गया।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि संस्थान हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू कश्मीर राज्यों में वानिकी से संबंधित शोध कर रहा है तथा शोध से प्राप्त तकनीकों को हितधारकों तक पहुंचाता है। इसी कड़ी में आज इस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षण आयोजन में सहयोग के लिए शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, जम्मू के कृषि विज्ञान केंद्र, जम्मू के प्रभारी डॉ. विकास टंडन तथा उनके सहयोगी सभी वैज्ञानकों का धन्यवाद किया तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन में उनका सहयोग संस्थान को मिलता रहेगा। श्री नेगी ने मुख्य अतिथि का इस कार्यक्रम के शुभारंभ हेतु अपना बहुमूल्य समय निकालने के लिए आभार प्रकट किया । उन्होंने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों, विभिन्न विभागों/ संस्थानों से आये वक्ताओं/ विषय-विशेषज्ञों (Resource Persons) का धन्यवाद किया तथा आशा व्यक्त की कि उनके अनुभवों से प्रशिक्षणार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

प्रशिक्षण में मुख्यत: हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के **डॉ. संदीप शर्मा,** वरिष्ठ वैज्ञानिक ने *खाद तथा केचुआ-खाद तैयार करने की विधि , सुगंधित एवं औषधीय पौधों के पौधशाला तैयार करने एवं इनकी कृषिकरण* के बारे में विस्तृत जानकारी दी। **श्री राकेश अबरोल** , वन-मंडल अधिकारी (बीज), जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जम्मू ने *औषधीय पौधे की सांस्कृतिक प्रथाओं तथा उनका व्यापारीकरण* , **श्री**

मोहिंदर कुमार गुप्ता, वन-मंडल अधिकारी (जैव –विविधता), राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जम्मू ने *संवहनीयता के लिए औषधीय और सुगंधित पौधे* , **डॉ. एल.एम. गुप्ता** ने *आय में वृद्धि के लिए जम्मू क्षेत्र में औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती की संभावनाएं*, **डॉ. पुनीत चौधरी** ने *कंडी क्षेत्र में अधिक आय के लिए औषधीय वृक्ष*, **डॉ. राकेश शर्मा** ने *जम्मू क्षेत्र में औषधीय पादपों की उद्यमशीलता की संभावना* ; तथा **डॉ. विकास टंडन** ने *किसानों की आय दोगुनी करने में कृषि विज्ञान केंद्र की अहम भूमिका* विषयों पर अपने व्यख्यान दिए तथाअपने अनुभवों को साँझा करते हुए प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया।

अंत में विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के साथ सीधा संवाद भी किया गया तथा प्रशिक्षण के बारे उनकी राय भी जानने का प्रयास किया। किसानों ने प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया तथा आग्रह किया कि इस प्रकार के आयोजन अवश्य ही उनके लिए लाभकारी होते हैं।

.....

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

KRISHI VIGYAN KENDRA, JAMMU
Directorate of Extension
Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology of Jammu
Training Programme
on
Scope and Importance of Cultivation of Medicinal & Aromatic Plants
for
Enhancing Farmers' Income of Jammu Region
19th January, 2018
In collaboration with
Krishi Vigyan Kendra, Jammu
Organized by
Himalayan Forest Research Institute, Shimla (H.P)

KRISHI VIGYAN KENDRA, JAMMU
Directorate of Extension
Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology of Jammu
Training Programme
on
Scope and Importance of Cultivation of Medicinal & Aromatic Plants
for
Enhancing Farmers' Income of Jammu Region
January, 2018

KRISHI VIGYAN KENDRA, JAMMU
Directorate of Extension
Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology of Jammu
Training Programme
on
Scope and Importance of Cultivation of Medicinal & Aromatic Plants
for
Enhancing Farmers' Income of Jammu Region
19th January, 2018

KRISHI VIGYAN KENDRA, JAMMU
Directorate of Extension
Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology of Jammu
Training Programme
on
Scope and Importance of Cultivation of Medicinal & Aromatic Plants
for
Enhancing Farmers' Income of Jammu Region
19th January, 2018
In collaboration with
Krishi Vigyan Kendra, Jammu
Organized by
Himalayan Forest Research Institute, Shimla (H.P)
(ICFRE, MoEF&CC, Govt. of India)
KRISHI VIGYAN KENDRA - JAMMU
R. S. PURA

मीडिया कवरेज

वैज्ञानिकों ने जम्मू के किसानों को बताए सुगंधित पौधों की खेती के तरीके

शिमला| एचएफआरआई शिमला की ओर से जम्मू क्षेत्र के किसानों की आए बढ़ाने के लिए औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की संभावना और महत्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र जम्मू में किया। इस दौरान जम्मू

क्षेत्र के विभिन्न जिलों के लगभग 80 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए शेर-ए- कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के निदेशक (अनुसंधान) डॉ. जेपी शर्मा ने कहा कि कहा कि किसानों की आय बढ़ने में औषधीय पौधे अहम भूमिका निभा सकते हैं। जम्मू क्षेत्र में इन पौधों के कृषि करण की अपार संभावनाएं हैं।

डॉ. विकास टंडन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र जम्मू ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में सुगंधित एवं औषधीय पौधों की खेती को भी एक उभरते हुए व्यवसाय के रूप में देखा जा रहा है, जिससे किसान कम परिश्रम से अधिक आय का सृजन कर सकते हैं।

औषधीय पौधों की खेती पर प्रशिक्षण

■ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की संभावना और महत्त्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र जम्मू में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम जम्मू क्षेत्र के विभिन्न जिलों के लगभग 80 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के निदेशक (अनुसंधान), डा. जेपी शर्मा ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा यहां के किसान त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है । डा. जेपी शर्मा ने कहा कि किसानों की आय बढ़ने में औषधीय पौधे अहम भूमिका निभा सकते हैं। जम्मू क्षेत्र में इन पौधों के कृषिकरण की अपार संभावनाएं हैं। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून का एक क्षेत्रीय संस्थान है तथा पश्चिमी हिमालय राज्यों हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

दिव्य हिमाचल Sat, 20 January 2018
epaper.divyahimachal.com//

किसानों की आय बढ़ाने में औषधीय पौधे अहम भूमिका निभा सकते हैं : शर्मा

जम्मू, 20 जनवरी (रोशनी): कृषि विज्ञान केंद्र शेर-ए-कश्मीर एवं तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के सहयोग से जम्मू में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की संभावना और महत्व' विषय पर आयोजित किया गया।

इसका आयोजन जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जम्मू क्षेत्र के विभिन्न जिलों जम्मू, राजौरी, कठुआ तथा रियासी के लगभग 80 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. जे.पी. शर्मा ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम दौरान कृषि अधिकारी। (मोहित)

किसानों की आय बढ़ाने में औषधीय पौधे अहम भूमिका निभा सकते हैं और जम्मू क्षेत्र में इन पौधों के कृषिकरण की अपार संभावनाएं हैं। भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा किसानों की भलाई हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि उनकी आर्थिकी स्थिति में सुधार हो सके।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sun, 21 January 2018
epaper.punjabkesari.in//c/25599101

HFRI, Shimla and KVK Jammu conducted training programme on "scope and importance of medicinal plants" at KVK Jammu

Jammu Jan 19

Krishi Vigyan Kendra, Jammu, of Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology Jammuin collaboration withHimalayan forest Research institute (HFRI) organiseda one day training programme on SCOPE AND IMPORTANCE OF CULTIVATION OF MEDICINAL AND AROMATIC PLANTS FOR ENHANCING FARMERS INCOME OF JAMMU REGIONtoday on 19th of January, 2018. Dr. J.P. Sharma, Director ResearchSKUAST-jammuwas the chief guest on the occasion. The programme was attended by more than 70 farmers who are engaged in agro-forestry related activities in the state. They had come from Jammu, Reasi, samba, Kathua and Rajouri districts.Speaking on the occasion, Dr. J.P. sharmainformed that processors are seeking the farmer groups who are producing these medicinal and aromatic plants in large quantities. Acknowledging the role of Krishi Vigyan Kendras in bringing the latest agricultural technologies at doorstep of the farmers, he suggested enhancing activities in villages for mobilization of farmers towards value addition and semi processing of their produce. He pledged to support all such growers and said that University will produce all possible help to them.Dr.VikasTandon, Head, KVK R.S.Purawelcomed all and discussed in detail how KVK's can bridge the gap between producers technocrats and markets.He suggested that today's farmer must be equipped with latest technologies and he should become an entrepreneur rather than being dependent on existing resources. Sh. SatyaPrakashnegi, Conservator and Head extension division of HFRI Shimla, and nodal officer highlighted the efforts done by his department for promoting forest and medicinal plants in himachal Pradesh and Jammu and Kashmir under this flagship programme of Government of India.Dr Sandeep Sharma, Principle scientistgave detailed presentation on nursery management f these sensitive plants and also shared success stories among farmers.Dr. S. K. gupta Head Agroforestry, Dr.K.K.Sood Principle scientist and Dr.Lalit Gupta sr. scientists gave their presentations to encourage farmers.Sh. RakeshAbrol DFO and ShMahinder Gupta DFO SFRI, Janipur discussed various schemes of the department and also highlighted legal issues with farmers.

the police personnel who were also present.

Training programme on medicinal plants held

STATE TIMES NEWS

JAMMU: Krishi Vigyan Kendra (KVK), Jammu, of SKUAST-J in collaboration with Himalayan Forest Research Institute (HFRI) organised a training programme on Scope and Importance of Cultivation of Medicinal and Aromatic Plants for Enhancing Farmers Income of Jammu Region.

On the occasion, Dr J.P Sharma, Director Research SKUAST-J was the Chief Guest. The programme was attended by more than 70 farmers who are engaged in agro-forestry related activities in the State.

Dr. J.P Sharma, in his address, informed that processors are seeking the farmer groups who are producing these medicinal and aromatic plants in large quantities.

Dr VikasTandon, Head, KVK R.S Pura welcomed all and discussed in detail how KVK's can bridge the gap between producers technocrats and markets. Satya Prakash Negi, Conservator and Head Extension Division of HFRI Shimla, and Nodal Officer highlighted the efforts done by his department for promoting forest and medicinal plants in Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir under this flagship programme of Government of India. Dr Sandeep Sharma, Principle Scientist gave detailed presentation on nursery management of these sensitive plants and also shared success stories among farmers.

Dr. S.K Gupta Head Agroforestry, Dr K.K Sood Principle Scientist and Dr Lalit Gupta Senior Scientists gave their presentations to encourage farmers.